भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3464

दिनांक 31 मार्च, 2023 के लिए प्रश्न

पशुओं के लिए हरे चारे की उपलब्धता

3464. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में पशुओं के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता बहुत कम है और हरे चारे की अनुपलब्धता के कारण पशुओं के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो हरे चारे की मांग और आपूर्ति का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार इस संबंध में कोई विशेष योजना बनाने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) जी, हां। आईसीएआर- भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी के अनुसार देश में 734.219 मिलियन टन हरे चारे की उपलब्धता के मुकाबले 827.19 मिलियन टन हरे चारे की आवश्यकता है जो 11.24% की कमी दर्शाता है। हरे और पोषकीय चारे की अनुपलब्धता पशुधन के खराब स्वास्थ्य का एक कारण हो सकता है।

(ख) हरे चारे की मांग और आपूर्ति का राज्य-वार अनुमान अनुबंध में दिया गया है।

(ग) केंद्र सरकार जुलाई, 2021 से देश में आहार एवं चारा विकास संबंधी उप-मिशन के साथ केंद्रीय प्रायोजित योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन लागू कर रही है जिसमें चारा फसलों को नकदी फसलों के रूप में बढ़ावा देते हुए उच्च उत्पादक चारा किस्मों के बीज उत्पादन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और इसके द्वारा देश में हरे चारे का उत्पादन बढ़ाने के लिए चारा फसलों के तहत अधिक क्षेत्र में विविधता आती है। विशेष रूप से कमी की अवधि के दौरान चारे की उपलब्धता को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत साइलेज निर्माण इकाईयों को भी सहायता दी जाती है। इसके अलावा, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईजीएफआरआई, झांसी) ने 25 राज्यों में उनके फसल चक्र और पशुधन प्रजातियों के आधार पर हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने हेतु संबंधित राज्यों के लिए चारा विकास योजना तैयार की है। राज्यों को अपने संबंधित क्षेत्रों में इन चारा विकास योजनाओं को लागू करने के लिए निर्देशित किया गया है।

******

अनुबंध

हरे चारे की मांग और आपूर्ति का राज्यवार अनुमान (000 टन)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मांग	आपूर्ति
संघ राज्य क्षेत्र सहित अन्य		
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	144.1	115.4
चंडीगढ़	87.4	1.9
दादरा और नगर हवेली	101.2	26.2
दमन और दीव	6.6	2.1
लक्षद्वीप	23.2	2.4
राष्ट्रीय राज्य क्षेत्र दिल्ली	869.5	167.4
पुदुचेरी	170.9	18.8
पूर्वोत्तर क्षेत्र		
अरुणाचल प्रदेश	1387.8	1634.8
असम	22735.7	17988.1
मणिपुर	759.4	445.4
मेघालय	1873.7	1037.6
मिजोरम	97.3	272.8
नागालैंड	692.6	577.6
त्रिपुरा	1916.1	805.2
सिक्किम	369.6	190.1
पर्वतीय क्षेत्र		
हिमाचल प्रदेश	8383.3	12060.6
जम्मू और कश्मीर	11194.4	5261.2
उत्तराखंड	8580.3	3819.2
पूर्वी क्षेत्र		
बिहार	49406.6	35399.1
झारखंड	24358.6	7856.8
ओडिशा	27700.6	15277.7
पश्चिम बंगाल	35915.8	22211.7
पश्चिम क्षेत्र		
गुजरात	58371.6	60720.3
राजस्थान	80980.5	54504.3
गोवा	248.1	163.2
महाराष्ट्र	57992.1	69700
उत्तरी क्षेत्र		
हरियाणा	24074.5	46841.1
पंजाब	24873.3	67234.08
केंद्रीय क्षेत्र		
छत्तीसगढ़	24430.8	16339
मध्य प्रदेश	67264.6	99184.5
उत्तर प्रदेश	149959.2	114499.5
दक्षिणी क्षेत्र		
आंध्र प्रदेश	71799.5	26628.8
कर्नाटक	38959.3	31879.9
केरल	3761.3	3591.6
तमिलनाडु	27699.8	17735.4

स्रोतः आईसीएआर- भारतीय चरागाह एवं चारा अनसुधान संस्थान, झांसी का भारतीय चारा परिदृश्यः रिडिफाइनिंग स्टेट वाईज स्टेटस तकनीकी प्रकाशन सं -06/2019